भजन

तर्ज : ईशारों–इशारों में दिल लेने वाले

कायम निसबत के मालिक पिया जी
अपनी रूहों से, जुदा तो नहीं है
कितनी मेहरबानीयाँ कर रहे हैं
रूहों को इसकी खबर ही नहीं है

1. बैठ के चरणों में हम, खेल ये देख रहे
आया गया ना कोई, हक का इलम ये कहे
ऐसी गजब की ये लीला दिखाई
रूहों को इसकी खबर....

2. हक इश्क की खूबीयाँ इलम की गहराईयाँ
बातें सभी अर्श की, और हक की नजदीकियाँ
ये सब खजाने हैं, रूहों के खातिर
रूहों को इसकी खबर.....

3. खेल में सोई रूहें, अर्श बयां यूं करें
जाग गई हैं अगर तो खेल में क्यूँ कर रहे
कारीगरी है ये हक के हुकम की
रूहों को इसकी खबर....